

भारत सरकार की ओर से भेजे गए इन अभ्यावेदनों का चीन सरकार ने जो जवाब दिया है वह भी उल्लिखित खेत-पत्रों में शामिल है। कुल मिलाकर चीन सरकार ने यह कहा है कि भारतीय राष्ट्रक तिब्बत से जाने के लिए स्वतंत्र हैं और जो लोग वहाँ हैं वे अपनी खुशी से रह रहे हैं। इस सिलसिले में हमारे भ्रष्टान अभ्यावेदन पर चीन की प्रतिक्रिया की प्रतीक्षा है।

**Cabinet panel for Calcutta Port**

658. SHRI SAUGATA ROY :

SHRI DILIP CHAKRAVARTY :

Will the Minister of SHIPPING AND TRANSPORT be pleased to state :

(a) whether his attention has been drawn to a report in the 'Business Standard' dated the 15th June 1979 headlined 'Cabinet Panel for Calcutta Port'; and

(b) what action Government have take n or propose to take to study the problem of Calcutta Port in depth and take remedial measures ?

THE MINISTER OF STATE IN-CHARGE OF THE MINISTRY OF SHIPPING AND TRANSPORT (SHRI CHAND RAM) : (a) and (b). Yes.

During discussions with the Union Minister of Industry on 14th June, 1979 at Calcutta about the general industrial situation in West Bengal, the question of ports was also raised by the M. Ps. from West Bengal and the Minister of Industries of West Bengal Government. He had explained to them the efforts made by the Sub-Committee of Ministers, set up by the Cabinet, to tackle the problems facing Bombay Port. He was asked if this Cabinet Committee would also look into the problems of the Calcutta and Haldia Ports. The Union Minister of Industry had informed them that if such a request was received, the Cabinet Committee would consider it and give whatever assistance was possible to sort out the problems faced by the Calcutta Port. Thus, there was no question of setting up any new Committee.

The Government had appointed in recent past a Two-Man Committee to examine the working of the Calcutta Port. Action on the report of this Committee was taken by the Government and the Calcutta Port Trust. As recommended by the Committee, moratorium on repayment of loan and payment of interest by Calcutta Port Trust was extended up to 31st March, 1981. Besides, subsidy at the rate of 80% of the expenditure incurred on river dredging/maintenance has also

been approved till 31st March, 1981. No other study of the Calcutta Port is proposed at this stage.

**मोराक्को के राजदूत द्वारा वक्तव्य**

- 659. श्री यादवेंद्र बंस :
- डा० बलदेव प्रकराश :
- श्री के० मालभा :
- प्रो० पी० जी० नावलंकर :
- श्री सी० के० जाफर शरीफ :
- श्री एडुप्पाडो कंलीरी :
- श्री बृज भूषण तिवारी :
- श्री एस० आर० दामाणी :
- श्री जित्त बसु :
- श्री एस० एस० सोमानो :
- श्री राम सागर :
- श्री सरत कार :
- श्री ईश्वर चौधरी :
- श्री अर्जुन सिंह नबीरिया :

क्या विदेश मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या नई दिल्ली स्थित मोराक्को के राजदूत तथा अन्य अरब राज्यों के राजदूतों ने भारत के विरुद्ध संयुक्त वक्तव्य दिया है ;

(ख) यदि हां, तो उसका न्यौरा क्या है ; और

(ग) क्या उस वक्तव्य में सरकार की आलोचना की गई है और यदि हां, तो सरकार ने उनके विरुद्ध क्या कार्यवाही की है ;

विदेश मंत्री (श्री अटल बिहारी वाजपेयी) :

(क) अरब के राजदूतों ने कोई संयुक्त वक्तव्य नहीं दिया है। केवल मोराक्को के राजदूत ने 25 मई को एक प्रस वक्तव्य दिया था। 28 मई के एक अन्य प्रस वक्तव्य में उन्होंने स्वयं बताया कि अन्य अरब के राजदूतों की ओर से बोलने का उन्हें कोई प्राधिकार नहीं दिया गया है।

(ख) मोराक्को राजदूत के 25 मई के वक्तव्य में भारत अरब मित्रता बिगाड़ने के लिए "गुप्त रुप से सहायता" के प्रयत्न; भारत में मुस्लिमों के साथ कथित दुर्व्यवहार और भारतीय प्रेस के कतिपय वर्गों द्वारा मुस्लिम राजनयों पर आक्रमण के बारे में बताया गया है।

(ग) मोराक्को के राजदूत के वक्तव्य में भारत सरकार की अन्तर्निहित आलोचना है। विदेश मंत्रालय ने मोराक्को के राजदूत को बुलाया और उनसे स्पष्टी-

करण की मांग की। उन्होंने बताया कि भारत के आन्तरिक मामलों में हस्तक्षेप का उनका कोई इरादा नहीं है। उन्होंने यह भी कहा कि उन्होंने अपने वक्तव्य में भारतीय मुस्लिमों के साथ व्यवहार के बारे में कतिपय पर्यवेक्षकों के केवल विचार ही उद्घृत किए हैं। मोरक्को के राजदूत को यह बताया गया कि उनका वक्तव्य राजनयिक आरक्षण के मानदंडों के अनुरूप नहीं था।

सीकर से दिल्ली स्टेशन के लिए अधिक रेल-डिब्बों की मांग

66C. श्री जगदीश प्रसाद माधुर : क्या रेल-हू बताते की कृपा करेंगे कि :

(क) ऐसे यात्रियों की प्रतिदिन की औसत संख्या क्या है, जिन्होंने जनवरी से जून, 1979 की छुट्टियों के दौरान सीकर और सूरजगढ़ के बीच के स्टेशनों से दिल्ली और दिल्ली के बाद वाले स्टेशनों तक रेल गाड़ी द्वारा यात्रा की ;

(ख) क्या सीकर से दिल्ली के लिए आजकल केवल दो डिब्बे जोड़े जाते हैं, जो बिल्कुल अपर्याप्त है ; और

(ग) क्या इस क्षेत्र के लोगों ने और डिब्बों की मांग की है, जो बीकानेर मेल में लोहाड़ स्टेशन से जोड़े जा सकते हैं।

रेल मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री शिव नारायण) :

(क) अपेक्षित सूचना इकट्ठी की जा रही है और सभा पटल पर रख दी जायेगी।

(ख) और (ग) इस समय सीकर और दिल्ली के बीच दो ही डिब्बे चल रहे हैं। 91/92 बीकानेर मेल तथा 93/94 जोधपुर मेल में स्थान की कमी के कारण इस समय सीकर/लोहाड़-दिल्ली के बीच कोई प्रतिरिक्त डिब्बा लगाना परिचालनिक दृष्टि से व्यावहारिक नहीं है।

#### Pakistan's entry into non-Aligned Movement

661. SHRI SHYAM SUNDAR GUPTA :

SHRI EDUARDO FALEIRO :

SHARI CHIMANBHAI H. SHUKLA

SHRI SUBHASH CHANDRA BOSE ALLURI :

SHRI MUKHTIAR SINGH MALIK

SHRI G. Y. KRISHNAN

SHRI SHANKARSINHJI VAGHELA :

SHRI SUKHENDRA SINGH :

SHRI D. AMAT :

Will the Minister of EXTERNAL AFFAIRS be pleased to state :

What role has been played by the Government of India in the Colombo meet in June, 1979 regarding the entry of Pakistan into non-aligned movement ?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF EXTERNAL AFFAIRS (SHRI SAMARENDRA KUNDU) : Government's approach to requests for membership to the non-aligned movement has always been based on the principles and has been that all such requests should be adjudged on the basis of certain well-accepted criteria. At the Colombo Bureau Meeting, the Indian delegation went along with the consensus, based on near unanimity, to recommend Pakistan's admission as a full member of the Movement.

#### Timings of Tinsukia mail

662. SHRI CHHATRA BAHADUR CHHETRI Will the Minister of RAILWAYS be pleased to state :

(a) whether the present timings of Tinsukia Mail are unsuitable to the people of Sikkim, Bhutan and Darjeeling District ; and

(b) if so, whether it is proposed to change the timings of this train ?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF RAILWAYS (SHRI SHEO NARAIN) : (a) Yes.

(b) No, but the question of providing through service coaches between New Delhi and New Jalpaiguri by Tinsukia Mail is under examination and such action as is found feasible and justified will be taken.

रोजगार कार्यालयों में अप्रैल 1978 के पश्चात् पंजीकृत व्यक्ति

663. श्री विजय कुमार महोबा : क्या संसदीय कार्य तथा भ्रम मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) रोजगार कार्यालयों में 1 अप्रैल, 1978 के पश्चात् नाम दर्ज कराने वाले व्यक्तियों की संख्या कितनी है ?